प्रतिवेदन

इंडियन नेशनल लिटरेचर कॉन्फ्रेंस

(उपक्रम एमएसएस), जालंधर, पंजाब

28 जून 2025 को मूल निवासी सभ्यता संघ इकाई पंजाब द्वारा गुरु नानक देव जिला पुस्तकालय, सतगुरु नामदेव चौक, जालंधर में एक कवि सम्मेलन और कलात्मक अभियान का आयोजन किया गया। जिसमें पूरे पंजाब से कवियों, लेखकों और बच्चों ने अपनी प्रतिभा पेश की। कवि सम्मेलन की शुरुआत मुख्य अतिथि प्रख्यात बहुजन लेखक और विद्वान सोहन सहजल जी के उद्घाटन भाषण से हुई। इस भाषण की अध्यक्षता सुरिंदर सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, मूलनिवासी सभ्यता संघ ने की। इस भाषण में सभ्यता और कला के महत्व के बारे में जानकारी देने के लिए बामसेफ सेंटर कमेटी के सदस्य मा. नितिन कुमार, मंगल चंद्र हांसदा उपाध्यक्ष मूलनिवासी सभ्यता संघ, शीलबोधि जी प्रभारी (साहित्य) मूलनिवासी सभ्यता संघ और मंजीत सिंह, अध्यक्ष मूलनिवासी सभ्यता संघ, पंजाब ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इस भाषण में बच्चों द्वारा कविताएं और गीत प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर मैडम मनजीत कुमार द्वारा तैयार किए गए थाबलके गांव के बच्चे, मास्टर हरमेश लाल (राज्य पुरस्कार विजेता) ढाणी गांव के बच्चे तथा हादियाबाद फगवाड़ा से मा रमेश कौल द्वारा तैयार किए गए बच्चों, प्रगति कला केंद्र जलालाबाद द्वारा मास्टर किरणदीप के नेतृत्व में तैयार की गई कविताओं, नाटकों तथा कोरियोग्राफियों की प्रस्तुति की गई। इसके पश्चात दूसरी पंक्ति में बाहर से आए कवियों तथा लेखकों में कुलविंदर सिंह गाखल राज्य पुरस्कार विजेता अध्यक्ष पंजाब साहित्य मंच जालंधर तथा टीम सदस्य श्रीमती साहिबा जीतन कौर, सरदार अमर सिंह अमर, सरदार इंदर सिंह मिसरी, गीतकार अवतार सिंह बैंस, श्री दलजीत मेहम्मी, सुखदेव सिंह गंधवा, विजय कुमार भगत, आदि दुनिया जालंधर के अध्यक्ष श्री जगदीश डालिया जी, फगवाड़ा से मैडम सतविंदर कौर, सुखपाल सिंह झम्मट आदि ने अपनी कविताएं प्रस्तुत की। इस अवसर पर मूल द्वारा बेगमपुरा मैगजीन का विमोचन किया गया। सिंधु घाटी सभ्यता की स्थापना के लिए शीलबोधि जी को मूल को भेंट किया गया। मंजीत सिंह, अध्यक्ष मूलनिवासी सभ्यता संघ पंजाब। मूल. सोहन शहजल ने अपनी कविताओं से कवि सम्मेलन का समापन किया और अतिथियों एवं बच्चों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। अंत में एडवोकेट हरभजन सांपला जी ने आये हुए अतिथियों एवं कवियों का धन्यवाद किया। मुल. अहम सिंह प्रयागराज, मूल करम शील भारती और मूल। विजय वास्तविक दिल्ली से विशेष रूप से पहुंचे। इस अवसर पर मु. रामनाथ सुंडा (संपादक मूलनिवासी संग्राम), मूल.-बिहारीलाल गिंदा, मायल। रंजीव कुमार, मूल. सोढ़ी राम झल्ली, मूल. अशोक खेड़ा प्रदेश महासचिव बामसेफ, मास्टर ज्ञान सिंह, मूल. राम दास गुरु आदि विशेष रूप से पहुंचे। मुल. मंच संचालन हरभजन लाल जी ने बखूबी निभाया। मुल. अश्विनी बलाचौर, मूल. जतिंदर कुमार, मूल. इस कवि सम्मेलन एवं कला अभियान को सफल बनाने में बामसेफ के उपाध्यक्ष मेहर चंद, डॉ. गुरपाल सिंह आदि ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।